

औषधीय एवं पौष्टिक गुणों से भरपूर सहजन की खेती में लागत कम, आय ज्यादा



डॉक्टर एसक सिंह

कन्द्राय कृषि विश्वाविद्यालय के आखल मारताय फल अनुसंधान परियोजना के प्रधान अन्वेषक हैं

हजार क बहव का उत्तर नारा किया जाता है। तुलना में दक्षिण भारत के लोगों ने पहले से सालूम है लेकिन इसका अधिक महत्व सभी को पता है जब पौष्टिक संबंधियों की चर्चा होती है तो सबसे पहले जो नाम आता है, वह सहजन है। पृथ्वी पर पाए जाने वाले किसी भी पौष्टि में सहजन के बाबर औषधीय एवं पौष्टिक गुण नहीं पाए जाते हैं। सहजन बिहार में सालों भर उगाये जाने वाला बहुवर्षीय सब्जी है। सहजन के लिए किसी विशेष देखभाल की आवश्यकता नहीं होती है। सामान्यतया सहजन में फल सालभर में एक बार आता है, जिसके फल का उपयोग लोग साल में एक बार जाड़े के दिनों में सब्जी के रूप में करते हैं। सहजन की कुछ प्रजातियों में फल साल में दो बार आता है। दक्षिण भारत में सहजन के फूल, फल, पत्ती का उपयोग अपने विभिन्न प्रकार के व्यंजनों में सालों भर किया जाता है। सहजन की खेती भारत ही ही बल्कि फिलिपिंस, मैक्सिको, श्रीलंका, मलेशिया आदि देशों में होती है। सहजन के बीज से तेल भी किलालत जाता है। बीज को उबालकर सुखाने और फिर पाउडर बनाकर विदेशों में निर्यात भी किया जा रहा है। सहजन में औषधीय गुण प्रचुर मात्रा में है और इसके पौधे के सभी भागों का उपयोग विभिन्न कार्यों में किया जाता है।

सहजन का पश्चानक नाम भारगा
ओलीफेरा है। सामान्यतया यह एक
बहुवर्षीय, कमज़ोर तथा और छोटी-
छोटी पत्तियों वाला लगभग दस मीटर
से भी ऊँचा पौधा होता है। यह कम
उपजाऊ जमीन में भी बिना सिंचाई
के सालों भर हरा-भरा और तेज़ी से
बढ़ने वाला पौधा है। हाल के दिनों
में सहजन का साल में दो बार फलने
वाला वार्षिक प्रभेद तैयार किया गया
है, जो न सिर्फ ज्यादा उत्पादन देता
है, बल्कि यह प्रोटीन, लवण, लोहा,
विटामिन-बी, और विटामिन-सी. से
भरपूर है। बिहार के किसानों और
खासकर अपनी भू-भागीय पसंद के
कारण सहजन दियारा क्षेत्र के किसानों
के लिए उनकी फसल प्रणाली का एक
आर्थिक महत्व का उपयुक्त फसल
हो सकता है। सामान्यतया 25-30
डिग्री सेल्सियस के आसूत तापमान पर
सहजन के पौधों को हरा-भरा बनाए
रहने वाला काफ़ी फैलने वाला विकास
होता है। यह ठंडे को भी सहता है,
परन्तु पाला से पौधों को नुकसान होता
है। फूल आते समय यह तापक्रम 40
डिग्री सेल्सियस से ज्यादा हो तो फूल
झङ्गने लगता है। कम या ज्यादा वर्षा से
पौधे को कोई नुकसान नहीं होता है।
यह विभिन्न पारिस्थितिक अवस्थाओं
में उगने वाला पौधा है इसकी खेती
सभी प्रकार की मिट्टियों में की जा

करता है। वहाँ तक कि बाद, जर और कम उर्वारा भूमि में भी अपकी खेती की कासी करती है, परन्तु खेती की वसायिक खेती के लिए साल में दो बार फलनेवाला सहजन के प्रयोगों में नुई दोमट मिट्टी बेहतर पायी गई है। इनकी की वर्ष में दो बार फलने वाले प्रयोगों में पी.के.एम. 1, पी.के.एम. 2, पी.वे.बेंटूर 1 तथा कोवेंटूर 2 प्रमुख हैं। इसका पौधा 4-6 मीटर ऊंचा होता है। तथा 90-100 दिनों में इसमें फूल लगता है। जरूरत के अनुसार विभिन्न वस्थाओं में फल की तुड़ाई करते होते हैं। पौधे लगाने के लगभग 160-70 दिनों में फल तैयार हो जाता है। साल में एक पौधा से 65-70 मी. लम्बा तथा औसतन 6.3 सेमी. लंबा, 200-400 फल (40-50 लोग्राम) मिलता है। यह काफी देढ़ार होता है तथा पकने के बाद उसका 70 प्रतिशत भाग खाने योग्य होता है। एक बार लगाने के बाद से 5 वर्षों तक इससे फलन का असकता है। यहाँ यह बता देना वशशक्त है की आजकल सहजन की खेती दुधारू वर्षावरों को चारा के लिए किया जा रहा है, इससे जनवरों का स्वास्थ्य एवं दृढ़ भी बढ़ रहा है।

काटना जापरपल हानी करत हस्ति भी जमीन में लगाया जा सकता है। सहजन के पौध की रोपनी की गड़वा बनाकर की जाती है। खेत को अच्छी तरफ खरपतवास मुक्त करने के बाद 2.5% 2.5 मीटर की दूरी पर 45 ७ ५ ७ ५ सेमी। आकार का गड़वा बनाते हैं। गड़वे देते हैं। इससे खेत पौध के रोपने हेतु तैयार हो जाता है वहसजन में बीज और शाखा के टुकड़ों दोनों प्रकार रखी प्रबर्द्धन होता है। अच्छी फलन और साल में दो बार फलन के लिए बीज रखने का एक अच्छा है। एक हेटरेट्वे में खेती करने के लिए 500 से 700 ग्राम बीज पर्याप्त होता है। बीज का सीधे तैयार गड़वे में या फिर पॉलीथीथी बैग में तैयार कर गड़वे में लगाया जा सकता है। पॉलीथीथी बैग में पौध एवं लगानी में लगाने व्यवहृत तैयार हो जाता है एक महीने के तैयार पौध को पहले से तैयार किए गये गड़वे में जून से लेकर सितम्बर तक रोपनी किया जा सकता है। पौध जब लगभग 75 सेंसी का हो जाये तो पौध के ऊपरी भाग को तोड़ देना चाहिए, इससे बगल से शाखाओं को निकलने में आसानी होगी। रोपन के तीन महीने के बाद 100 ग्राम यूरिर , 75 ग्राम सुपर फास्टेट, और 75 ग्राम पोटाश प्रति गड़वा की दर से डाला

तथा इसके तान महान बड़ी 100 प्रान यूरोपिया प्रति गड्ढा का पुनः व्यवहार करें। सहजन पर किए गए शोध से यह पाया गया कि मात्रा 15 किलोग्राम गोबर की खाद प्रति गड्ढा तथा एजोसपिरलम और पी.एस.बी. (5 किलोग्राम/हेक्टेएर) के प्रयोग से जैविक सहजन की खेती, उपज में बिना किसी हास के किया जा सकता है। अच्छे तुपादन के लिए सिंचांच करना लाभदायक है। गड्ढों में बीज से अगर प्रबर्द्धन किया गया है तो बीज के अंकुरण और अच्छी तरह से स्थापन तक नीरी का बना रहना आवश्यक है। फूल लगाने के समय खेत ज्यादा सूखा या ज्यादा गीला रहने पर दोनों ही अवस्था में फूल के झड़ने की समस्या होती है।

सहजन पर सबसे ज्यादा आक्रमण बिहार हेरयौरी कैटर पीलर नामक कीट से है। इसे अगर नियंत्रित नहीं किया गया तो यह सम्पूर्ण पौधे की पत्तियों को खा जाता है तथा आसपास में भी फैल जाता है और अन्य पौधों को भी आक्रान्त कर सकता है। अंडा से निकलने के बाद अपने नवजात अवस्था में यह कीट समझ में एक स्थान पर रहता है बाद में भौजन की तलासा में यह सम्पूर्ण पौधों पर बिखर जाता है। इस कीट के नियंत्रण के लिए कीट के नवजात अवस्था में सर्फ को घोलकर अगर इसके ऊपर डाल दिया जाय तो सभी कीट नहीं जाता है। वयस्क अवयवों में जब यह सम्पूर्ण पौधों पर फैल जाता है तो एकमात्र दिवा डाइक्लोरोरावासाम (न्यूबान) 0.5 मिली.एक लीटर पानी में घोलकर पौधों पर छिड़काव करने से तत्काल लाभ मिलता है।

सहजन के दुरुर कीट में कभी-कभी फैल पर फैल मक्खी का आक्रमण होता है। इस कीट के नियंत्रण हेतु भी डाइक्लोरोरावास (न्यूबान) 0.5 मिली. दिवा एक लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करने पर कीटों का नियंत्रण होता है। साल में दो बार फैल देनेवाले सहजन की किस्मों की तुड़ाई सामान्यतया फरवरी-मार्च और सितम्बर-अक्टूबर में होती है। प्रत्येक पौधे से लगभग 200-400 (40-50 किलोग्राम) सहजन सालभर में प्राप्त हो जाता है। सहजन की तुड़ाई बाजार और मात्रा के अनुसार 1-2 माह तक चलता है। सहजन के फैल में रेशा आने से पहले ही तुड़ाई करने से बाजार में मांग बढ़ी रहती है इससे लाभ भी ज्यादा मिलता है। सहजन बहुउपयोगी पौधा है। पौधे के सभी भागों का प्रयोग भोजन, दवाएँ औषधिक कारों आदि में किया जाता है। सहजन में प्रचुर मात्रा में पोषक तत्व व विटामिन है। एक अध्ययन के अनुसार इसमें दूध की तुलना में चार गुणा पोषाकशीयम तथा संतरा की तुलना

वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण में वृद्धि से गरीब वर्गे तक सहायता पहुँचाना हुआ आसान

कंद्र सरकार न दश म पूर्व म लागू जाटल अप्रयत्यक्ष कर व्यवस्था का सरल बनाने के उद्देश्य से वस्तु एवं सवाक कर प्रणाली को 1 जुलाई 2017 से पूरे देश में लागू कर दिया था तथा इस कर में लगभग 20 प्रकार के करों का सम्मिलित किया गया था। वस्तु एवं सेवा कर प्रणाली को लागू करने के तरंत उपरांत व्यापारियों को व्यवस्था सम्बन्धी कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ा था। परंतु, इन परेशानियों को कंद्र सरकार एवं विभिन्न राज्य सरकारों के सहयोग से धीरे धीरे दूर कर लिया गया है एवं आज वस्तु एवं सेवा कर के अन्तर्गत देश में काव्यवस्था का तेजी से औपचारीकरण हो रहा है जिससे देश में वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण कुलांचे मारता हुआ दिखाई दे रहा है। किसी भी देश की अर्थव्यवस्था को तेजी से आग बढ़ाने के लिए धन की आवश्यकता हार्ता है और यह धन देश की जनता से ही करों के रूप में उगाहे जाने के प्रयास होते हैं। उस कर व्यवस्था को उत्तम कहा जा सकता है जिसके अंतर्गत नागरिकों को कर का आभास बहुत कम हो। जिस प्रकार मक्खी गुलाब के फूल से शहद कुछ इस प्रकार से निकालती है कि फूल को मालूम ही नहीं पड़ता है, ठीक इसी प्रकार कंद्र कर व्यवस्था कंद्र सरकार द्वारा, वस्तु एवं कर सेवा के माध्यम से, देश में लागू करने के प्रयास किये गए हैं।



ਪਹਲਾਂ ਦੇ ਬਾਬੀ

लेखक गणित पत्रकार हैं

पको ध्यान होगा कि जब केंद्र सरकार वस्तु एवं सेवा कर को भारत में लागू करने के प्रयास कर रही थी तब कई विपक्षी दलों ने इस नए कर को देश में लागू करने के प्रति बहुत आशंकाएँ व्यक्त की थीं। उस समय कुछ आलोचकों का तो यहां तक कहना था कि वस्तु एवं सेवा कर प्रणाली देश में निश्चित ही असफल होने जा रही है एवं इससे देश के गरीब वर्ग पर कर के रूप में बहुत अधिक बोझ पड़ने जा रहा है। परंतु, केंद्र सरकार ने देश में पूर्व में लागू जटिल अप्रयत्नकर व्यवस्था को सरल बनाने के उद्देश्य से वस्तु एवं सेवा कर प्रणाली को 1 जुलाई 2017 से पूरे देश में लागू कर दिया था तथा इस कर में लगभग 20 प्रकार के करों को सम्मिलित किया गया था। वस्तु एवं सेवा कर प्रणाली को लागू करने के

तुरंत उपरांत व्यापारियों को व्यवस्था सम्बन्धी कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ा था। परंतु, इन परेशानियों को केंद्र सरकार एवं विभिन्न राज्य सरकारों के सहयोग से धीरे धीरे दूर कर लिया गया है एवं आज वस्तु एवं सेवा कर के अन्तर्गत देश में कर व्यवस्था का तेजी से औपचारीकरण हो रहा है जिससे देश में वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण कुलांचे मारता हुआ दिखाई दे रहा है। किसी भी देश की अर्थव्यवस्था को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए धन की आवश्यकता होती है और वह धन देश की जनता से ही करों के रूप में उगाहे जाने के प्रयास होते हैं। उस कर व्यवस्था को उत्तम कहा जा सकता है जिसके अंतर्गत नागरिकों को कर का आभास बहुत कम हो। जिस प्रकार मक्खी गुलाब के फूल से शहद कुछ इस प्रकार से

कालती है कि फूल को मालम ही
गई पड़ता है, ठीक इसी प्रकार कौं कर
वस्था केंद्र सरकार द्वारा, वस्तु एवं
र सेवा के माध्यम से, देश में लागू
रखने के प्रयास किये गए हैं। गरीब वर्ग
र उपयोग की जाने वाली वस्तुओं पर
र की दर को या तो स्नूप रखा गया है
थवा कर की दर बहुत कम रखी गई
। इसके विपरीत, धनाड्य वर्ग द्वारा
योगी की जाने वाली वस्तुओं पर कर
र दर बहुत अधिक रखी गई है। वस्तु
वं सेवा कर की दर को स्नूप प्रतिशत
लेकर 5 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18
प्रतिशत एवं 28 प्रतिशत अधिकतम
र रखा गया है। भारत में वस्तु एवं
वा कर प्रणाली को लागू किया हुए
5 वर्षों से अधिक का समय हो
का है एवं आज देश में अप्रत्यक्ष कर
ग्रहण में लगातार हो रही तेज वृद्धि

के रूप में इसके सुखद परिणाम स्पष्ट हो दिखाई देने लगे हैं। दिनांक 1 मार्च 2024 को अप्रैल 2024 माह में वस्तु एवं सेवा कर के संग्रहण से सम्बंधित जानकारी जारी की गई है। हम सभी के लिए यह हर्ष का विषय है कि मार्च अप्रैल 2024 के दौरान वस्तु एवं सेवा कर का संग्रहण पिछले साल रिकार्ड तोड़ते हुए 2.10 लाख करोड़ रुपये के रिकार्ड स्तर पर पहुंच गया है, जो निश्चित ही, भारतीय अर्थव्यवस्था के मजबूती को दर्शा रहा है। वित्तीय वर्ष 2022 में वस्तु एवं सेवा कर का औसत कुल मासिक संग्रहण 1.20 लाख करोड़ रुपए रहा था, जो वित्तीय वर्ष 2023 में बढ़कर 1.50 लाख करोड़ रुपए हो गया एवं वित्तीय वर्ष 2024 में 1.70 लाख करोड़ रुपए के स्तर पर कर गया। अब तो अप्रैल 2024

में 2.10 लाख करोड़ रुपए के स्तर से भी आगे निकल गया है। इससे यह आभास हो रहा है कि देश के नागरिकों में अर्थिक नियमों के अनुपालन के प्रति सच्चि बढ़ी है, देश में अर्थव्यवस्था का तेजी से औपचारीकरण हो रहा है एवं भारत में अर्थिक विकास की दर तेज गति से आगे बढ़ रही है। कुल मिलाकर अब यह कहा जा सकता है कि भारत आगे आने वाले 2/3 वर्षों में 5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की ओर मजबूती से आगे बढ़ रहा है। भारत में वर्ष 2014 के पूर्व एक ऐसा समय था जब केंद्रीय नेतृत्व में नीतिगत फैसले लेने में भारी हिचकिचाहट रहती थी और भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व की हिंचकोले खाने वाली 5 अर्थव्यवस्थाओं में शामिल थी। परंतु, केवल 10 वर्ष पश्चात केंद्र में मजबूत नेतृत्व एवं मजबूत लोकतंत्र के चलते आज वर्ष 2024 में भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व की 5 वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है और विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से आगे बढ़ रही है। वस्तु एवं सेवा कर के माध्यम से देश में कर संग्रहण में आई वृद्धि के चलते ही आज केंद्र एवं विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा गरीब वर्ग को विभिन्न विशेष योजनाओं का लाभ पहुंचायें जाने के भरसक प्रयास किए जा रहे हैं पीएम गरीब कल्याण योजना के माध्यम से मुफ्त अनाज के मासिक वितरण से 80 करोड़ से अधिक परिवारों को लाभ प्राप्त हो रहा है। पीएम उज्जवल योजना के अंतर्गत 10 करोड़ से अधिक महिलाओं को मुफ्त गैस कनेक्शन प्रदान किये गए हैं।

प्रवासी कानूनगार्यों से मजबूत होती अर्थव्यवस्था

ललित गर्ग

इंटरनेशनल ऑर्गानाइजेशन फॉर
माइग्रेशन (आईओएम) की 7 मई
2024 को जारी विश्व प्रवासन रिपोर्ट
के अनुसार वर्ष 2024 में भारत
विदेशों में काम करने वाले भारतीय
कामगारों से सबसे ज्यादा धन पाने
वाले देशों के रूप में सूचीबद्ध हुआ
है। मैक्सिको, चीन, फिलीपींस व क्राफ्ट
जैसे देश भी इस सूची में भारत की
तुलना में नीचले पायदानों पर हैं। भारत
के लिये यह गैरव की बात है और
इससे दुनिया की आर्थिक महाशक्ति
बनने के भारत के प्रयासों को भी
बल मिलेगा। नया भारत एवं सशक्त
भारत के निर्माण में विदेशों में रह रहे
भारतीय नागरिकों ने अपने कठ

डॉलर अपने देश भेजे हैं। यह आंकड़ा जहां विश्व में भारतीय श्रमशक्ति की गैरवपूर्ण गाथा को दर्शाता है, वहाँ देश की अर्थव्यवस्था में उनके अमूल्य योगदान को दिखाता है। आईओएम की ताजा रिपोर्ट वैश्विक प्रवास पैटर्न में महत्वपूर्ण बदलावों का खुलासा करती है, जिसमें विस्थापित लोगों की रिकॉर्ड संख्या और अंतर्राष्ट्रीय प्रेषण में बड़ी वृद्धि शामिल है। पूरे विश्व में अनुमानित 281 मिलियन अंतर्राष्ट्रीय प्रवासियों के साथ, संघर्ष, हिंसा, आपदा और अन्य कारणों से विस्थापित व्यक्तियों की संख्या आधुनिक रिकॉर्ड में उच्चतम स्तर तक उत्तर पार्श्व है, जो 117 मिलियन

रे रेखांकित करती है।
भारत में अनुमानित 1.8 करोड़
ग्राम अंतरराष्ट्रीय प्रवासी के रूप में
प्रवास करने के लिए विदेश जाते हैं।
भारतीय अंतरराष्ट्रीय प्रवासियों में
प्रमुख विदेशी इंजीनियरों, डॉक्टरों आदि
से से पैशेवरों का अनुपात बढ़ गया
है। इनके बेतन ज्यादा होता है और
बड़ी मात्रा में साथा भारत भेजते हैं।
करके अलावा भारतीय कामगार भी
डी में संख्या में विदेशों में अपने अपने
धन अर्जित करके न केवल अपने
रिवारों का पालन-पोषण करते हैं
लिक भारत की अर्थव्यवस्था को
जबूती देने में अपनी महत्वपूर्ण
रिप्रेस तथा विकास करते हैं। रिप्रेस

को ही दशात है। भारत के विदेश मुद्रा भंडार में योगदान करने वाले इन श्रमवीरों के प्रति देश कृतज्ञ है। निश्चिह्न रूप से इसका भारतीय अर्थव्यवस्था में सकारात्मक प्रभाव पड़ता है, वहाँ दुनिया में भारतीय श्रम-शक्ति एवं प्रतिभाएं अपनी क्षमता, कौशल एवं प्रतिभा से विपुल अधिक, सामाजिक एवं विकासमूलक योजनाओं की नयी संभावनाओं के द्वारा खोलती है, जिसका दुनिया में भारत की ताकत को नये पंसु लगाते हैं। भारतीय कामगारों, विदेश क्षेत्रों की प्रतिभाओं एवं कौशल वेलिए शीर्ष प्रवासन गलियारे संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका और सऊदी अरब आदि देशों में उपलब्ध है।

भारतीय मजबूत मेहनती, ईमानदार एवं कार्यानिष्ठ होते हैं। विकसित देशों में श्रमिकों की भागी कमी के बीच खेती, निर्माण और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में काम करने के बास्ते भारतीय कामगारों की विदेश भेजने के लिए विकासित देशों के साथ द्विपक्षीय समझौते करने का भारत सकर का इशारा है। भारत सरकार उन देशों के साथ एप्रीमेंट करने जा रही है, जहां आबादी तेजी से घटती रही है। वैसे हम पहले ही जापान और फ्रांस के साथ लेबर सप्लाई एप्रीमेंट कर चुके हैं। इजरायल के साथ भी एक करार है, जिसके तहत हजारों भारतीय बांहें खेती और मजदूरी के लिए भेजे जा रहे हैं।



सितारों की लंबी चौड़ी टीम के खर्च से नाखुश हैं फराह

फराह खान दिनी सिनेमा की मशहूर हस्ती है। करियर की शुरुआत उन्होंने बौरा करियोग्राफर की थी। उन्होंने बौरा करियोग्राफर कई बड़े सितारों के साथ काम किया है। अपने करियर के अलए पड़ाव में उन्होंने निर्देशन में कदम रखा। फिल्म में हूं ना से उन्होंने बौरा निर्देशक अपनी नई पारी की शुरुआत की थी। फिल्म वह अपने एक बयान की वजह से चर्चा में है। उन्होंने अदाकारों के साथ चलती उनकी लंबी चौड़ी टीम को और उनके बढ़ते खर्चों पर बात की है।

सितारों की टीम के खर्च पर हो नियंत्रण

उन्होंने कहा, मैं इंडस्ट्री में एक बदलाव लाना चाहूँगी कि अभी सितारों के साथ उनकी टीम का खर्च काफी बढ़ गया है। एक अधिनेता ने लोगों की टीम के साथ आती है। वहीं, एक अधिनेता अपने साथ आठ लोगों की टीम लेकर आता है। ये पैसे की बर्बादी है। इन पैसों का फिल्म में कहीं से भी उपयोग नहीं हो पाता। इसे थोड़ा नियंत्रित करना काफी आवश्यक है। वो निर्माताओं पर काफी भारी पड़ता है।

पहले सबकुछ निजी

संबंधों पर निर्भर था

फराह ने मौजूदा हालातों से बेहतर पर पहले के समय को बातया है। उन्होंने कहा कि पहले इंडस्ट्री निजी संबंधों पर ज्यादा निर्भर रहती थी। उन्होंने कहा कि पहले किसी बीजी की आवश्यकता महसूस होने पर वह सोचा अधिनेता से बात कर सकती थी। हालांकि, आजकल उन्हें अधिनेता तक पहुंचने से पहले कई पांचवाँ को पार करना पड़ता है। इस कड़ी में पहले मैनेजर का सब मैनेजर फिर मैनेजर और आखिरी में स्टार के काम की देखभाल करने वाली एजेंसी। फराह इससे काफी नाखुश है, उनका मानना है कि इसे अपनी संबंधों में भी दूरी आई है। हालांकि, इस दौरान इंडस्ट्री में आए सकारात्मक बदलावों पर भी उन्होंने सुखी जारी रखा है। उन्होंने कहा कि आज इंडस्ट्री की काफी ज्यादा व्यवस्थित रूप से काम करती है। लोग समय पर आते हैं। सब कुछ पूरी तरह से कॉन्ट्रैक्ट में लिखा होता है, कोई निजी का पैसा नहीं खा सकता है। एक दिन में स्टार पर है लाखों का खर्च मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, स्पॉट बॉय और सतन एक दिन के लिए 25000 रुपये लेता है। वहीं, एक निजी सुरक्षा कम्पनी लगभग 15 हजार रुपये तक तोता है। इनके अलावा एक स्टाइलिस्ट को एक लाख रुपये तक देने पड़ते हैं। इस तरह से अगर सभी खर्चों को मिला दें तो एक स्टार पर एक दिन का खर्च लगभग 20 से 22 लाख रुपये तक पड़ जाता है।



ऋतिक के बाद अब उनकी कजिन पटमीना हैं जलवा बिखेरने को तैयार

ऋतिक रोशन की कजिन पटमीना रोशन आने वाले दिनों में इश्क विश्व रिबाउड में नजर आने वाली है। ऋतिक ने बहन की फिल्म के पोस्टर को साझा करते हुए लिखा है, हमें तुम पर नाज है। तुमने जो किया है वह खुद से किया है। मैं तुम्हें बड़े पर्दे पर चमकता देखना चाहता हूं। बॉलीवुड सुपरस्टार ऋतिक रोशन अधिनियम के अलावा असर अपनी निजी जिंदगी की वजह से सुरियों बटोरते रहते हैं। उनके लिए उनका परिवार बहुत मायने रखता है। ऋतिक रोशन अपनी चरेरी बहन पश्मीना रोशन से बहुत ध्यान करते हैं। ऋतिक की तरह ही पश्मीना भी अब बॉलीवुड में अपना जलवा बिखेरने को तैयार है। ऋतिक ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल से पोस्ट साझा करते हुए अपनी यादी बहन को बधाई देते नजर आए।

तुम पर गर्व है

ऋतिक रोशन की कजिन पटमीना रोशन आने वाले दिनों में इश्क विश्व रिबाउड में नजर आने वाली है। ऋतिक ने बहन की फिल्म के पोस्टर को साझा करते हुए लिखा है, हमें तुम पर नाज है। तुमने जो किया है वह खुद से किया है। मैं तुम्हें बड़े पर्दे पर चमकता देखना चाहता हूं। बॉलीवुड सुपरस्टार ऋतिक रोशन अधिनियम के अलावा असर अपनी निजी जिंदगी की वजह से सुरियों बटोरते रहते हैं। उनके लिए उनका परिवार बहुत मायने रखता है। ऋतिक रोशन अपनी चरेरी बहन पश्मीना रोशन से बहुत ध्यान करते हैं। ऋतिक की तरह ही पश्मीना भी अब बॉलीवुड में अपना जलवा बिखेरने को तैयार है। ऋतिक ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल से पोस्ट साझा करते हुए अपनी यादी बहन को बधाई देते नजर आए।



साई पल्लवी के साथ रोमांस करते नजर आएंगे विजय

साई पल्लवी और विजय देवरकोड़ा दोनों ही स्टार्स फिल्म इंडस्ट्री का बड़ा नाम हैं और दोनों ही कई सुपरहिट फिल्मों में काम कर चुके हैं। साउथ सिनेमा के साथ ही भारतीय दर्शकों के दिलों में भी खास जगह बना चुके हैं विजय देवरकोड़ा और साई पल्लवी। दोनों अब जल्द ही एक दोमाटिक फिल्म में साथ नजर आएंगे।

विजय देवरकोड़ा अपने स्टाइलिश अंदाज से लोगों को अपना दीवाना बना देते हैं। तो वहीं साई पल्लवी की खूबसूरी और उनकी सादी

मिस्टर एंड मिसेज माही के लिए जान्हवी ने इन दो लोगों को दिया क्रेडिट

जान्हवी कपूर अपनी आगामी फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही को लेकर चर्चा बढ़ा रही है। यह फिल्म इसी रिलीज होने जारी है। अधिनेत्री फिल्म में राजकुमारी राव के साथ स्क्रीन साझा करती दिखेंगी। दोनों सितारों फिल्म के प्रमोशन में जुटे हैं। इस फिल्म के लिए जान्हवी कपूर ने जीतोड़ महनत की है। जान्हवी कपूर ने खुलासा किया कि फिल्म की शूटिंग के दौरान उन्हें कई तकलीफें हुईं और वोटेर आईं। जान्हवी कपूर के सुरक्षित इस फिल्म की तैयारी के दौरान ट्रेनिंग करते हुए उनके दोनों कंधे चोटिल हुए। इस फिल्म की शूटिंग करते ही कपूर ने चाहते थे कि वह अपनी नियंत्रण शामिल करना चाहते थे। फिल्म मैं ट्रेनिंग शुरू की थी। दो साल लग गए। हमारे निर्देशक काफी ईमानदारी से काम करते हैं। वे चाहते थे कि मैं पूरी तरह से विकेटर बन जाऊं। वो किसी तरह की वीटिंग नहीं करना चाहते थे कि वीएफएस में डाल देंगे या आधे अधरे काम हो। पूरी तरह से चाहते थे कि मैं इस दुनिया में मिल जाऊं और जुड़ जाऊं।

कपूर ने इसकी वजह बताते हुए कहा कि शूटिंग शुरू होने से पहले उन्होंने क्रिकेट सीखा था। अधिनेत्री ने कहा कि फिल्म को निर्देशक शरण शामिल करना चाहते थे। मिस्टर एंड मिसेज माही 31 मई 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देनी। जान्हवी कपूर ने कहा, मिली के टाइम मैंने ट्रेनिंग शुरू की थी। दो साल लग गए। हमारे निर्देशक काफी ईमानदारी से दौरान जारी हैं। इसी रिलीज के दौरान जान्हवी का लेकर एक ऊपर इस कार्यक्रम में दुनिया भर की 6 प्रतिभाशाली महिलाओं को एक साथ लाया जाता है, जिन्होंने मनोरंजन के क्षेत्र में योगदान किया होता है। फिल्म द सेकंड एंट से होगा आगाज़।

कान 2024 में कियरा आडवाणी का नाम हुआ शामिल

कियरा आडवाणी रेड सी फिल्म फाउंडेशन के वर्षेन माला डिनर की शोभा बढ़ाएंगी। इसी मैजबानी का पूरा जिम्मा वैनिकी फैरर उठाएगा। इस कार्यक्रम में दुनिया भर की 6 प्रतिभाशाली महिलाओं को एक साथ लाया जाता है, जिन्होंने मनोरंजन के क्षेत्र में योगदान किया होता है। फिल्म द सेकंड एंट से होगा आगाज़।

कान फिल्म महोत्सव आज फार्स के कान्स शहर में शुरू होने वाला है। इस बार कान में कई भारतीय फिल्में प्रदर्शित होने वाली हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार बॉलीवुड अधिनेत्री कियरा आडवाणी इस महोत्सव का लेकर एक लोकटा रोप्हियों में बनी हुई है। अफवाहों का बाजार गम है कि अन्याया नियंत्रण की वजह से जुड़ी है। अन्याया पांडे इन दिनों अपनी जिंदगी से जुड़ी है। अन्याया पांडे ने अपने इंस्टाग्राम पर अपनी एक तरखी को साझा किया है। अन्याया पांडे ने फोटो के कैशैन में लिखा है, जब आप फाइज खाते हैं बत वह भी पार्टी करता है। अन्याया पांडे के कैशैन को पढ़कर फैस क्यास लगा रहे हैं कि ब्रेकअप के बाद शायद उनका वर्क नहीं गुजर रहा है।



कलाकार को अपने किरदार के साथ न्याय करना आना चाहिए

अधिनेता अक्षय ओवेरेंग इन दिनों द ब्रॉकन न्यूज 2 को लेकर सुरियों में बने हुए हैं। द ब्रॉकन न्यूज 2 में नियंत्रित किरदार निभाने वाले अक्षय ओवेरेंग ने इन दिनों द ब्रॉकन न्यूज 2 में उनके अधिनेता की अदाकारी काफी पसंद आ रही है। एक साक्षात्कार में, अक्षय ओवेरेंग ने खुलासा किया कि एक अधिनेता के रूप में उनकी चारी प्राथमिकता कहानी को ठीक ढंग से दर्शकों के सामने दिखाना और प्राचीनों को अच्छे से चित्रित करना है। वह अब नए विकल्प बुनने के लिए तैयार है। भले ही इसके लिए उन्हें टाइपकार्स होना पड़े या वो भूमिकाएं स्वीकार करनी पड़े, जो उन्होंने कभी भी नहीं की होती है। अक्षय का मानना है कि हर कलाकार को अपने किरदार के साथ न्याय करना आना चाहिए। द ब्रॉकन न्यूज 2 में अपने किरदार के बारे बत रहे हुए अक्षय ओवेरेंग ने एक बात कर रहा है कि वह उन अवसरों के लिए आधारी हैं, जो उन्हें दिवेर गए हैं। अब वे बातें आधारी हैं

संक्षिप्त समाचार

विराट कोहली ने संन्यास को लेकर दिया बड़ा बयान
मैं जब तक खेलना जारी रखूंगा तब तक अपना बेरत देता रहूंगा।



बेंगलुर (एजेंसी)। इस बार के आईपीएल सीजन में रॉयल चैलेजर्स बेंगलुर के स्टार बल्लेबाज और भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली काफी कमाल के फॉर्म में नजर आ रहे हैं। वहीं बात करें आरसीबी की तो अभी भी उनकी प्लेओफ में पहुंचने की उम्मीदें नजर आ रही हैं। इस सब के बीच विराट कोहली को लेकर एक बड़ा बयान सामने आया है। आरसीबी द्वारा एक पोडकास्ट में कहानी ने अपने करियर से जुड़े कई सवालों के जवाब दिए जिसमें उन्होंने अपने क्रिकेट संन्यास को लेकर भी बात की। इसके साथ ही कोहली की टी20 विश्व कप की टीम में चयन को लेकर भी कई सवाल खड़े हुए थे जिसका जवाब उन्होंने दिया।

आईसीसी रैंकिंग

शाकिब के साथ हसरंगा
शीर्ष स्थान पर, बल्लेबाजों में
सूर्यकुमार टॉप पर बरकरार



दुर्भु (एजेंसी)। हार्दिक पांडिया टी20 हरफनमैलों की आईसीसी रैंकिंग में साथें स्थान पर बने हुए हैं। जबकि श्रीलंका के स्पिनर वानिनु हसरंगा बांगलादेश के शाकिब अल हसन के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर पहुंच गए हैं। पांडिया 185 अंकों के साथ साथें स्थान पर हैं। हसरंगा और शाकिब के 228 अंक हैं। अफगानिस्तान के मोहम्मद नवी 218 अंक लेकर तीसरे स्थान पर हैं। जबकि जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा के 210 अंक हैं। दक्षिण अफ्रीका के एडेन माक्रम पांचवें स्थान पर और आइलैंड्स के मार्कस स्टोनिस छठे स्थान पर हैं। बल्लेबाजों की रैंकिंग में रॉयल चैलेजर्स अगर आखिरी मैच में भारी अंतर से जीत दर्ज करती है तो भी उसके अंतिम चार में पहुंचने की संभावना नागर्जुन है। तीन मैचों में लगातार हार से लखनऊ ने अंक भी गंवाये और रनरेट भी खराब हो गया। भारत के यशस्वी जायसवाल 714 अंक लेकर छठे स्थान पर हैं। गेंदबाजों की रैंकिंग में इंग्लैंड के स्पिनर आदिल रसीद, हसरंगा और वेस्टइंडीज के अकील हुसैन शीर्ष तीन स्थानों पर हैं। भारत के अश्वर पटेल चौथे स्थान पर हैं।

बोले- नए लोगों
को मौका देने का
समय है

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत के महान फुटबॉल आइकन सुनील छेत्री ने इंटरनेशनल फुटबॉल से संन्यास का ऐलान किया है। सुनील 6 जून को कुवैत के खिलाफ अपना आखिरी इंटरनेशनल मैच खेलेगे। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी एक वीडियो पोस्ट कर संन्यास को घोषणा की और कहा कि वे कुवैत के साथ अपना अंतिम मैच खेलेंगे। वीडियो में उन्होंने अपने सफर पर बात

को मौका देने का समय है। 39

साल के सुनील छेत्री ने भारत के लिए खेलते हुए कई रिकॉर्ड्स अपने नाम किए हैं।

संन्यास का ऐलान के साथ यदि

किया अपना सफर - सुनील छेत्री भारतीय

फुटबॉल का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने देश के लिए

150 मैचों में 94 गोल किए। इंटरनेशनल गोलस्कोररों की सूची में वह समय चौथे स्थान पर है। संन्यास की घोषणा के तोहने हुए छेत्री ने अपने सफर को ये कहा और जारी भी यह है। वे मैच में पहला मैच, मैं पहला गोल, ये मैं सफर का सबसे यादगार पल रहा। उन्होंने कहा, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं देश के लिए इन्हें मैच खेल जाऊंगा। उन्होंने अगे कहा कि जब उन्होंने संन्यास लेने का तय किया तो उन्होंने सबसे पहले अपने माता-पिता और पत्नी को इस बारे में बताया।

अच्छे कॉलेज में दाखिले के लिए फुटबॉल से जुड़े थे
शरारती सुनील छेत्री, इंस्पायर कर देगी स्टोरी

अलड़पन में सारातों के शौकीन सुनील छेत्री वर्षपन में फुटबॉल के शौकीन नहीं थे और एक अच्छे कॉलेज में दाखिले के लिये ही खेल को जरूर बनाना चाहते थे। लोकन किस्मत में कुछ और ही लिखा था। उनके सैनिक पिता खारिया छेत्री हालांकि हमेशा से बाहरे थे उनका बेटा पैशेवर फुटबॉल खिलाड़ी बने और वह हासिल कर सके जो वह खुद नहीं कर पाए।

दिल्ली में सुनील ने फुटबॉल का कक्षहरा सीधा शुरू किया और इसी इंटरनेशनल मैच खेलेंगे। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी एक वीडियो पोस्ट कर

संन्यास को घोषणा की और कहा कि वे कुवैत के साथ अपना अंतिम मैच खेलेंगे। वीडियो में उन्होंने

अपने सफर पर बात की है और कहा कि अब नए लोगों

को मौका देने का समय है।

साथी ने भारत के लिए खेलते हुए छेत्री को यूंगा और ही बात की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने देश पर नए मुकाम तय किए। इन्हें साल में यूंगे तो कई प्रतिभाशाली फुटबॉलर पैदा हुए लेकिन कोई दूसरा वाईंगुंग भूटिया या सुनील छेत्री नहीं निकला।

मैदान पर उपलब्धियों की नई दर्शनाल लिखते जा रहे हैं। अब उन्हें 'बैकबैच' से आगे आना पड़ा।

करियर के बाद छेत्री को नआगे महीने कुवैत के

खिलाफ विश्व कप कालीपाइंग भैंग के बाद

3 अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल को अलविदा कहने का

फैसला किया है।

भारत के लिए सर्वाधिक 150 मैचों में सबसे

ज्यादा 94 गोल कर चुके हैं। भारतीय फुटबॉल के गढ़ कालाकाता में खेल को

अलविदा कर गए। 19 अप्रैल 2005 तक मोहन बागान

के साथ रहे और 18 अंकों में आठ गोल दागे। इसके

बाद भारत की अंडर 20 टीम और सीनियर राष्ट्रीय टीम

से जुड़े। उन्होंने 2005 में पाकिस्तान के क्षेत्रा शहर में

पाकिस्तान के खिलाफ 3 अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल में पदार्पण किया। उन्होंने पिता बलविंदर साहन प्रांत में अपने बेटे को सुरक्षा की छेत्री सीनियर को कापी पिता हो रही थी चौकि उस समय सुनील महज 20 साल के थे। ऐसे में छेत्री ने अपने पिता को दिलासा दी।

इसके 19 साल बाद एक बार फिर छेत्री सीनियर ने राहत

'उमीद है कि वह दो साल और खेलेंगे', धोनी के संन्यास पर

बोले सीएसके के कोच

बैंगलुरु (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाजी कोच माइकल हस्सी को उमीद है कि करियरमार्फेंट सिंह धोनी अगले दो साल और टीम के साथ रहेंगे। यूंगा भी दूसरी बार लिखते जा रहे हैं। आईपीएल 2024 की शुरुआत से एक दिन पहले रुपुराज गायकवाड़ को कप्तानी दी गई। धोनी और धीरेंद्र नारायण आर्मेंड बहन करते आ रहे छेत्री ने किंकेट के दीवाने देश में फुटबॉल को सुखियों में लाने का काम भी बखूबी किया है। उनके फन का लोहा भारतीय क्रिकेट के सुपरस्टार कोहली ने भी माना है जो उनके योगदान की बानीगी देता है।

मैच के लिए दोनों टीमों
की संभावित प्लेइंग 11

मुंबई संभावित प्लेइंग 11- ईशन किशन

(विकेटकीपर), रोहित शर्मा, नमन थीरा,

सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, व्यादिक पंडिया

(कप्तान), टिम डेविड, अंशुल कंबोज, पीयूष

चावला, जसप्रिंत बुमराह, नुवान तुपारा।

लखनऊ संभावित प्लेइंग 11- किंटन डिकॉक,

केएल गहुल (कप्तान और विकेटकीपर), मारक्स

स्टेनिस दीपक हुडा, निकोलस पूरन, अयुष

बड़ोनी, रविंशंकर पंडिया, अशद खान, युद्धवीर

सिंह, रवि बिशन, नवीन-उत्तम हक।

प्लेइंग 11- ईशन किशन

(विकेटकीपर), रोहित शर्मा, नमन थीरा,

सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, व्यादिक पंडिया

(कप्तान), टिम डेविड, अंशुल कंबोज, पीयूष

चावला, जसप्रिंत बुमराह, नुवान तुपारा।

लखनऊ संभावित प्लेइंग 11- किंटन डिकॉक,

केएल गहुल (कप्तान और विकेटकीपर), मारक्स

स्टेनिस दीपक हुडा, निकोलस पूरन, अयुष

बड़ोनी, रविंशंकर पंडिया, अशद खान, युद्धवीर

सिंह, रवि बिशन, नवीन-उत्तम हक।

प्लेइ

